दिप्पण:- अधिसूचना सं. 201 (अ), तारीख 12-3-85 को निम्नलिखित द्वारा बाद में संशोधित किया गया है:--

- प्रिधसूचना सं. का. था. 459(अ), तारीख 12-8-85
- (ii) अधिसूचना सं. का. बा. 103(अ), नारीख 20-3-86
- (iii) प्रधिसूचना सं. का. मा. 113(अ), तारीख 25-3-86

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhl, the 20th September, 1988

NOTIFICATIONS

S.O. 869(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs, Department of Industrial Development No. S. O. 201(E), dated the 18th March, 1985, namely:—

In the said notification-

- (i) for the existing condition No. (1) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—
- "(1) The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule III (items reserved for small scale undertakings) to the notification No. 629 (E) dated 30/6/88";
- (ii) for the existing condition 3 of paragraph 1 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:——
- "3. The industrial undertakings are not located or proposed to be located:
 - (i) within 50 Kms. of the periphery (i.e. boundary of the urban area limits) of cities having a population of more than 25 lakhs according to 1981 census;
 - (ii) within 30 Kms, of the periphery of cities having a population of more than 15 lakhs but less than 25 lakhs according to 1981 census;
 - (iii) within 15 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 7.5 lakhs but less than 15 lakhs according to 1981 census;
 - (iv) within the standard urban area/municipal limits of other cities and towns.";
 - (iii) paragraph 2 and its entries shall be omitted.

[F. No. 10/49/88-L.P.]

Note:—Notification No. 201 (E) dated 12-3-85 has been subsequently amended by:—

- (i) Notification No. S.O. 459 (E) dt. 12-3-85.
- (ii) Notification No. S. O. 130 (E) dt. 20-3-85.
- (iii) Notification No. S.O. 113 (E) dt. 25-3-86.

का. आ. 870(अ):- केन्द्रीय सरकार, उन्नोग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की वारा 29व्य की उपधारा (1) हारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीधोगिक विकास विभाग) की घिष्मुचना स. का. आ. 140(अ) तारीवा 31 मार्च, 1986 का, जिसका बाद में घिष्मुचना सं. का. था. 1127(अ), तारीवा 29 विसम्बर, 1987 द्वारा (जिसे हसमें

षसके पश्यात् उकतत् श्रक्षिमुचना कहा गया है) संशोधन किया गया है, निम्नोक्षेत्रित संशोधन करसी है, अर्थात् :--

यणासंशोधित उनत प्रधिसूचना में -

- (i) विद्यमाम मर्त (1) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात:--
- "(1) विनिर्माण की घस्तु भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, ग्रीधो-णिक विकास विभाग की अधिसूचना सं. 629(अ), तारीख 30 जून, 1988 से उपाबद्ध मनुसूची - 3 (सबु उपक्रमों के लिए ग्रारक्षित मदें) में विनिधिष्ट वस्तुएं नहीं होंगी।":
- (ii) गर्त 4 के स्थाम पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अयित् :--
- "(4) श्रीद्योगिक उपक्रम :
- (क) 1981 की जनगणना के अनुसार 25 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों की परिक्षि (प्रणीत नगरीय क्षेत्र परिसीमाओं की मीमा) के 50 कि. मी. के भीतर;
- (ख) 1981 की जनगणना के धनुसार 15 लाख से प्रधिक किन्तु 25 लाख से कम जनसंक्या वाले नगरों की परिधि के 30 कि. मी. के भीतर;
- (ग) 1981 की जनगणना के अनुसार 7.5 लाखा ने अधिक किन्तु 15 लाख से कम जनसंख्या बाले नगरों की परिधि के 15 कि. मी. के भीतर;
- (थ) श्रन्य नगरों और कस्बों के मानक नगरीय क्षेत्र/नगरपालिका सीमाओं के भींदर ;

श्रवस्थित नहीं हैं या श्रवस्थित किए जाने के लिए प्रस्तावित नहीं है।";

(iii) पैरा 2 श्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों का लांप किया जाएगा

फा. सं. 10/49/88 - एन . पी. <u>]</u>

S.O. 870(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 140(E), dated the 31st March, 1986, as amended by the subsequent notification S.O. No. 112. (E), dated the 29th December, 1987, thereinafter referred to as the said notification), namely :—

In the said notification as amended—

- (i) for the existing condition (1) and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely:—
- "(1) The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule III (items reserved for small scale undertakings) annexed to the Government of India notification Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. 629 (E) dated the 30th June, 1988.";
- (ii) for condition 4, the following shall be substituted, namely:---
 - "(4) The industrial undertaking is not located of proposed to be located within:—
 - (a) 50 Kms. of the periphery (i.e. boundary of the urban area limits) of cities having a population of more than 25 lakhs according to 1981 Census:
 - (b) 30 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 15 lakhs but less than 25 lakhs according to 1981 census;

- (c) 15 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 7.5 lakhs but less than 15 lakhs according to 1981 census;
- (d) the standard urban area/municipal limits of other cities and towns.";
- (iii) paragraph 2 and its entries relating thereto shall be omitted.

IF. No. 10/49/88-L.P.)

का. या 871(अ) -- केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की झारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शांक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग और कंपनी कार्य मंत्रालय, श्रीबोगिक विकास विभाग की श्री- भूचना मं का. श्रा. 483(अ), तारीख 8 धगमन, 1986 का निध्न- सिवित संशोधन करती है, श्रयांत --

जबत ग्रधिसूचना में, विद्यासन क्रम सं. (i) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखिन रखा जाएगा, ग्रयनि ्∽-

- "(i) श्रीचोगिक उपक्रम :--
 - (i) 1981 की जनगणना के अनुसार 25 लाख से अधिक जनसंख्या बाले नगरों की परिधि (प्रयान नगरीय क्षेत्र परिसीमाधों की सीमा) के 50 कि. मी. के भीतर;
 - (ii) 1981 की जनगणना के प्रमुमा 15 लाख से प्रधिक किन्तु 25 लाख से कम जनसंख्या थारं -नगरों की परिधि के 30 कि. मी. के भीतर;
- (iii) 1981 की जनगणना के अनुसार 7.5 ताख से अधिक किन्तु 15 लाख में कहा जनसंख्या जाने नगरों की परिधि के 15 कि. मी. के भीतर;
- (iv) श्रम्य नगरीं श्रीर कंस्बों के मानक नगरीय क्षेत्र/नगरपालिक सीमाश्रीं के भीतर

धवस्थित नहीं हैं या प्रवस्थित किए जाने के लिए प्रस्ताबित नहीं हैं।" $[\mathbf{v}_1, \mathbf{v}_1, \mathbf{v}_2] = \mathbf{v}_1 + \mathbf{v}_2 + \mathbf{v}_3 + \mathbf{v}_4 + \mathbf{v}_4 + \mathbf{v}_5 + \mathbf{v}_4 + \mathbf{v}_5 + \mathbf{v}_5 + \mathbf{v}_5 + \mathbf{v}_6 + \mathbf{v}$

S.O. 871(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs, Department of Industrial Development No. S.O. 483(E) dated 8th August, 1986, namely:—

In the said notification for the existing serial No. (i) and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely:—

- "(i) The industrial undertakings are not located or proposed to be located:
 - (i) within 50 Kms, of the periphery (i.e. boundary of the urban area limits) of cities having a population of more than 25 lakhs according to 1981 census;
- (ii) within 30 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 15 lakhs but less than 25 lakhs according to 1981 census;
- (iii) within 15 Kms. of the periphery of cities having a population of more than 7.5 lakhs but less than 15 lakhs according to 1981 census;
- (iv) within the standard urban area/municipal limits of other cities and towns."

[F. No. 10/49/88-L.P.]

का. मा. 872(अ) - केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास मीर विनियमन) भंधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 29च की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंद्रालय, श्रौद्योगिक विकास विभाग की मिक्सिना सं. का था. 834(अ), नारीख 11 नवस्यर, 1986 का निम्नालिन्निन संगोधन करती है, सर्थान:--

अक्स अधिमुखना में :---

- (1) विश्वमान गर्त सं. (1) ग्रीर उससे संबंधिन प्रविद्यियों के स्थान पर निस्नमिश्चित रुखा जाएगा, मर्थान् :--
 - "(i) विनिर्माण की वस्तु भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, घौछोगिक विकास विभाग की अधिसुचना सं. 629(अ), तारीख 30 जून, 1988 से उपाबद्ध (अमुसूची - 3 लघु उपक्रमों के लिए ग्रारक्षित मर्वे) में विनिधिन्ट वस्तु नहीं होंगी।"
- विद्यमान गर्त सं. (iii) भौर उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नक्षित्रित रखा जाएगा, प्रयात :--
 - "(iii) भौद्योगिक उपक्रम:
 - (i) 1981 की जनगणमा के प्रनुसार 25 लाख से प्रधिक जनसंख्या वाल नगरों की परिधि (प्रयात नगरीय क्षेत्र परिसीमाग्रों की सीमा) के 50 कि. मी. के भीतर;
 - (ii) 1981 की जनगणमा के अनुसार 15 लाख से अधिक किन्तु
 25 लाख से कम जन संख्या नाले नगरों की परिधि के 30
 कि. मी. के भीतर;
 - (iii) 1981 की जनगणना के धनुसार 7.5 लाख से अधिक किन्तु 15 लाख से कम अनसंख्या वाले नगरों की परिधि के 15 कि. मी. के भीतर;
 - (iv) अस्य नगरों श्रौर कस्बों के मानक नगरीय क्षेत्र/नगरपालिक सीमाश्रों के भीक्षर :

प्रवस्थित नहीं हैं या प्रवस्थित किए जाने के लिए प्रस्तावित नहीं है।"

3. शर्त सं. (iii) के नीचे "यह उक्त प्रक्षियूचना के अतिरिक्त है न कि असके अस्पीकरण में" शब्दों का लोग किया जाएगा ।

]फा. मं. 10/49/ss - एल. पी.]

के. जे. रेष्ट्री, संयुक्त सचित्र

S.O. 872(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry Department of Industrial Development No. S.O. 834(E) dated the 11th November, 1986, namely:—

In the said notification:

- for the existing condition No. (i) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—
 - "(i) Article of manufacture shall not be an article specified in Schedule III (Items reserved for small scale undertakings) annexed to the Govt. of India notification Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. 629 (E), dt, the 30th June, 1988.";

- for the existing condition No. (ili) and the entries relating thereto the following shall be substituted, namely:—
- "(iii) The industrial undertakings are not located or proposed to be located s
 - (i) within 50 Kms. of the periphery (i.e. boundary of the urban area limits) of cities having a population of more than 25 lakes according to 1981 census;
 - (ii) within 30 Kms. or the periphery of cities having a population of more than 15 lakhs but less than 25 lakhs according to 1981 census;

- (iii) within 15 Kms, of the periphery of duties having a population of more than 7.5 lakes out less than 15 lakes according to 1981 census;
- (iv) within the standard urban area/municipal limits of other cities and ""wns."
- 3. The words "This is in addition to and not in derogation of the said notification" below condition No. (iii), shall be omitted.

[F. No. 10/49/88-L, P.]K. J. REDDY, Jt. Secy.

Ct.

Hita an Usica The Gazette of India

असाधार्**ए।** Extraordifary

भाग II—इण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्राधिकार से प्रकाशिक्ष

PUBLISHED BY AUTHORITY

ਚੰ. 472] No 472] नई विहली, मंगलबार, सितन्धर 20, 1988/भाद्र 29, 1910

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 20, 1988/BHADRA 29, 1910

en engen o brasin i engala a pina a para na azarang basia.

riserennetium 2 kilologiet tutti ist seli luisaat, intui il lalava toris, ilijiil

इस भाग में भिन्स पृष्ट संस्था को जाती है जिससे कि यह असग संकलम के रूप में रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि आर न्याय मंद्रालय

(विधायी विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1988

का. प्रस. 873(ब्र) : --लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 67 के अनुसरण में, निम्नलिखित घोषणा, जिसमें राज्य सभा में स्थान का भरने के लिए नियोचित ग्रध्यार्थी का नाम है, सर्वमाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :--